मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 40 ■ शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

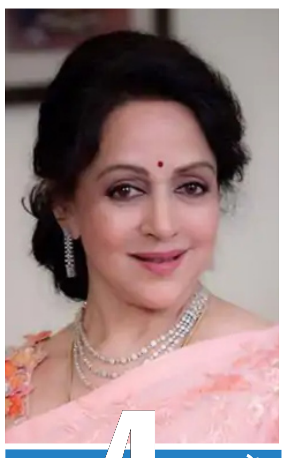

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
'आज की फिल्मों में नहीं हो पाऊंगी फिट'

उल्हासनगर में पुनर्वास का मुद्दा गंभीर

■ शहर में 294 खतरनाक इमारतें
■ 8 इमारतें अत्यधिक खतरनाक
■ मानसून में फिर हादसे की आशंका

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में सैकड़ों इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया है और जिस तरह से अतीत में भीषण स्लैब गिरने से दहशत फैल गई थी, उसी तरह से आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस वर्ष भी कुछ ऐसी ही घटना घट सकती है। उल्हासनगर मनपा ने 294 खतरनाक इमारतों को नोटिस जारी कर उन्हें गिराने का आदेश दिया था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उनमें से कुछ में अभी भी लोग रह रहे हैं।

उल्हासनगर शहर में पुरानी और जर्जर इमारतों की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उल्हासनगर मनपा के तकनीकी विभाग द्वारा हाल ही में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, 294 इमारतों को खतरनाक श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जिनमें से 8 'अत्यधिक खतरनाक' हैं। मानसून के मौसम की पृष्ठभूमि में यह जानकारी चौंकाने वाली है, तथा नागरिक सुरक्षा का मुद्दा और भी गंभीर हो गया है।

उल्हासनगर महानगर पालिका ने पहले ही इन सभी इमारतों को नोटिस जारी कर तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। पिछले कुछ वर्षों में मानसून के मौसम में स्लैब गिरने से कई लोगों की मौत की खबरें आती रही हैं। इसलिए प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि इस वर्ष मानसून के दौरान ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो। तकनीकी निरीक्षण के बाद मनपा ने इनमें से 50 भवनों को ध्वस्त करने की मंजूरी दे दी है। यह स्पष्ट किया गया है कि यद्यपि पूर्ण ध्वस्तीकरण और मरम्मत का सुझाव दिया गया है, तथापि 22 भवनों को मामूली मरम्मत के साथ उपयोग में जारी रखा जा सकता है।

इस मामले में एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा खतरनाक इमारतों से विस्थापित निवासियों का पुनर्वास है।

प्रशासन ने आवास या पुनर्विकास की प्रक्रिया में तेजी लाने का वादा किया है। दिलचस्प बात यह है कि कई इमारतों में अभी भी परिवार रह रहे हैं, और यदि वे समय रहते वहां से बाहर नहीं निकले तो गंभीर दुर्घटनाएं होने का खतरा है। इसलिए यह जरूरी है कि नागरिक महानगर पालिका की अपील पर ध्यान दें और स्वयं भी जागरूक रहें।

वार्डवार खतरनाक इमारतें

प्रभाग समिति क्र. 1	97
प्रभाग समिति क्र. 2	71
प्रभाग समिति क्र. 3	73
प्रभाग समिति क्र. 4	53

ईरानी बस्ती का मोक्का अपराधी मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार

■ 15 ग्राम मेफेड्रान जब्त
■ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में पहले से ही दो मामले दर्ज

कल्याण. पुलिस उपायुक्त के नारकोटिक्स निरोधक दस्ते और खड़कपाड़ा पुलिस के अपराध जांच दल की संयुक्त कार्रवाई में कल्याण के निकट अंबिवली ईरानी बस्ती के एक अपराधी को मेफोड्रोन की तस्करी करते हुए बुधवार शाम अंबिवली अटाली क्षेत्र के बंदरपाड़ा इलाके से गिरफ्तार किया गया। अपराधी का नाम हाशमी जाफर हुसैन जाफरी (33) है। हाशमी पर पहले भी मनपाड़ा पुलिस स्टेशन में संगठित अपराध अधिनियम (एमसीसीए) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हाशमी के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में पहले से ही दो मामले दर्ज हैं। पिछले आठ महीनों से पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने कल्याण, डोंबिवली शहरों में नशा मुक्त अभियान शुरू किया है। उपायुक्त के मार्गदर्शन में एक मोबाइल नशा विरोधी दस्ता गठित किया गया है। यह टीम प्रतिदिन दिन-रात शहर के विभिन्न इलाकों में गश्त करती है।

इसी तरह के अभियान के तहत विशेष नारकोटिक्स निरोधक दस्ता बुधवार शाम को अंबिवली अटाली क्षेत्र के बंदरपाड़ा इलाके में गश्त कर रहा था। उसी समय उन्होंने एक व्यक्ति को बाइक पर संदिग्ध हरकत करते हुए देखा। पुलिस को देखकर वह भ्रमित हो गया। गश्ती दल ने उसे भागने का कोई मौका दिए बिना घेर लिया। उसने उससे पूछा कि वह यहाँ क्या कर रहा है और कहाँ जाना चाहता है। इन सवालों ने उसे उलझन में डाल दिया।

15 ग्राम मेथाम्फेटामाइन की कीमत 30 हजार

पुलिस को संदेह हुआ और सबसे पहले उसका नाम पूछा गया। उसने बताया कि नाम हाशमी जाफरी है। पुलिस ने उसकी तलाशी ली। उस समय वह तलाशी लेने से इंकार कर रहा था। हालाँकि, जैसे ही पुलिस ने आक्रामक रुख अपनाया, उन्होंने तलाशी में सहयोग किया। उस समय पुलिस को हाशमी जाफरी के पास से 15 ग्राम मेथाम्फेटामाइन मिला था। इस दवा का बाजार मूल्य तीस हजार रुपये है। पुलिस ने तुरंत हाशमी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

गाउन फैक्ट्री में घुसकर नशेड़ियों ने कर्मचारी पर किया चाकू से हमला

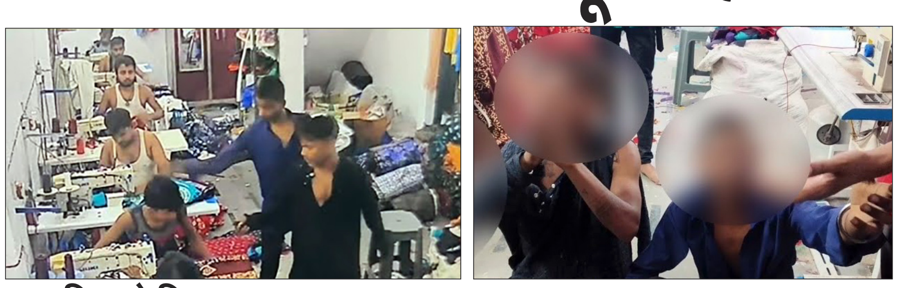

■ मालिक ने किया पुलिस के हवाले

उल्हासनगर. नाबालिगों में नशे की लत बढ़ने के साथ ही झगड़े और बहस में भी बढ़ोतरी हुई है। उल्हासनगर में बुधवार रात एक घटना घटी, जब दो नाबालिगों ने गाउन फैक्ट्री के कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया।

यह गाउन फैक्ट्री कैंप नंबर 5 के मच्छी मार्केट इलाके में स्थित है। जब मजदूर गाउन बनाने के लिए मशीन पर काम कर रहे थे, तभी दो नाबालिग लड़के जबरन फैक्ट्री में घुस गए। वे नशे में थे। इन लड़कों ने मजदूर अर्थर अंसारी से फोन करने के लिए उसका मोबाइल फोन मांगा। अर्थर ने उसे मोबाइल फोन देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह चार्ज नहीं हो रहा है। इसके बाद इन लड़कों ने उसे चाकू दिखाकर धमकाया और उसके हाथ पर वार कर दिया। फैक्ट्री मालिक ने नागरिकों की मदद से उसके हाथों से चाकू छीन लिया तथा दोनों लड़कों को हिललाइन पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया।

हिललाइन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल जगताप ने इस खबर की पुष्टि की है। हालांकि चाकू से हमले में घायल हुए कर्मचारी को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। लेकिन वह शिकायत दर्ज कराने के लिए वापस नहीं आया। अनिल जगताप ने कहा कि उन्हें शिकायत दर्ज कराने के लिए बुलाया जाएगा।

अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस का 22 अप्रैल को नपा पर मोर्चा

■ इंदिरा भवन गृहकर कृष्णा पाटिल के नाम करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एड. कृष्णा रसाल पाटिल ने मुख्याधिकारी को निवेदन देकर कहा है कि अगर 22 अप्रैल तक ब्लॉक कांग्रेस का कार्यालय इंदिरा भवन की घर पट्टी उनके नाम पर नहीं की गई तो वह 22 अप्रैल को नगर परिषद कार्यालय पर मोर्चे का आयोजन करेंगे.

विदित हो कि अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को हटाए जाने के बाद अध्यक्ष पद पर एड. कृष्णा रसाल पाटिल को जिला अध्यक्ष दयानंद चोरघे ने नियुक्त किया था. उसके बाद से ही कृष्णा पाटिल कार्यालय को अपने कब्जे में लेने के लिए अपने वरिष्ठों से पत्र व्यवहार कर रहे हैं. इस कार्यालय का गृह कर 9 लाख 35 हजार 625 रुपए बाकी था. ये पूरी रकम कृष्णा पाटिल ने अपने स्वतः के बैंक खाते से चेक द्वारा अंबरनाथ नगर परिषद को अदा किया है.

ऐसा निवेदन में कृष्णा पाटिल ने लिखा है. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी से शहर कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णा पाटिल को नियुक्ति पत्र देने के बावजूद नगर परिषद कई महिनों से गृह कर उनके नाम से करने में टालमटोल कर रहा है. इसलिए उन्होंने नपा कार्यालय पर 22 अप्रैल को मोर्चा ले जाने का पत्र मुख्याधिकारी को दिया है.

जुआ के अड्डे पर छापा

8 महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज

उल्हासनगर. पुलिस ने मंगलवार को शहर के व्यस्त नेहरू चौक स्थित एक इमारत के फ्लैट में महिलाओं के जुए के अड्डे पर छापा मारा और 8 महिलाओं को गिरफ्तार किया। उनके पास से जुआ खेलने का सामान और नकदी जब्त की गई और पता चला कि ठाणे, कल्याण और ग्रामीण इलाकों से महिलाएं यहां जुआ खेलने आई थीं। पुलिस जांच में पता चला है कि महिलाओं के पति उद्योगपति और व्यवसायी हैं।

उल्हासनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि भतनी नामक 60 वर्षीय महिला नेहरू चौक स्थित क्लासिक बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर विशेष रूप से महिलाओं के लिए जुआ का अड्डा चला रही है। मंगलवार रात 8:30 बजे पुलिस ने एक जुए के अड्डे पर छापा मारकर जुआ खेल रही 8 महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे ने बताया कि इनके पास से 35 हजार रुपये नकद और जुआ खेलने का सामान जब्त किया गया है। मामला दर्ज करने के बाद गिरफ्तार की गई महिलाओं से पूछताछ की गई और उन्हें निजी जमानत पर रिहा कर दिया गया। सभी महिलाएं 50 वर्ष से अधिक उम्र की हैं, जिनमें जुआ अड्डा चलाने वाली भतानी नामक महिला 60 वर्ष की है, तथा बुधवानी नामक महिला 70 वर्ष की है। पुलिस का कहना है कि अधिकतर महिलाओं के पति प्रमुख उद्योगपति और व्यवसायी हैं।

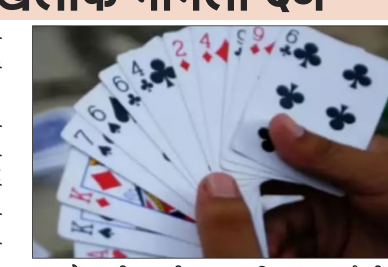

जुआ खेलने के लिए जुआ अड्डे पर आई कनाडे नाम की महिला ठाणे के कलवा की निवासी है। कटारिया नाम की महिला वरप में रहती है और वाधवा नाम की महिला खड़कपाड़ा कल्याण में रहती है। अन्य महिलाएं शहर के विभिन्न हिस्सों से हैं। इससे पहले पुलिस ने बताया था कि कैंप नंबर 1, राम मल्लीशवाले इलाके में महिलाओं के लिए चल रहे जुए के अड्डे के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने महिलाओं के जुए के अड्डे पर छापा मारकर जुआ खेल रही 8 महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अंबरनाथ गैबनशाह दर्गा का उर्स 16 से 25 मई तक

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ गैबनशाह वली दर्गा का उर्स इस वर्ष मई में दस दिनों तक मनाया जाएगा. उर्स 16 मई से 25 मई तक शानदार तरीके से होगा. ऐसी जानकारी मुस्लिम जमात अध्यक्ष सलीम चौधरी ने दी है. उन्होंने बताया कि 21 मई को कव्वाली का शानदार मुकाबला होगा. इस वर्ष उर्स के लिए मुस्लिम जमात की एक बैठक का आयोजन दर्गा के पास मुस्लिम जमात के कार्यालय में रखी गई थी, जिसमें इस वर्ष के लिए उर्स कमेटी के चेयरमैन के लिए जलाल करीम शेख को नियुक्त किया गया है. उप चेयरमैन बिस्मिल्ला शेख को और कैशियर एड. साबिर चौधरी को बनाया गया है. अन्य पदाधिकारी चांद शेख, इमरान शेख, ख्वाजा यूनुस चौधरी, अरबाज कुरैशी, मकबूल खान और अनवर शेख हैं. चेयरमैन जलाल शेख ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पहले दिन गुसल होगा. उसके बाद से अंबरनाथ शहर के 40 से ज्यादा कमेटियों की ओर से उनके परिसर से संदल निकाला जाएगा.

उल्हास नदी से ग्रामीणों को मिल रहा दूषित पानी

जल संसाधनों का उचित प्रबंधन नहीं किया गया तो तीव्र आंदोलन होगा

उल्हासनगर. पूरे ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाली उल्हास नदी कल्याण-मुरबाड़ रोड पर रायता, वरप, कम्बा और म्हारल गांवों की सीमा से होकर बहती है। यह नदी जलकुंभी से भरी हुई है तथा इसका पानी भी मल-मूत्र से प्रदूषित है। यह पानी बिना फिल्टर किए ही ग्रामीणों को आपूर्ति किया जाता है। ग्रामीण और उल्हास नदी बचाव कार्य समिति के कार्यकर्ता निकेश पावशे ने चेतावनी दी है कि यदि जलग्रहण क्षेत्र का उचित प्रबंधन नहीं किया गया तो कड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में उल्हास नदी रसायनों, कीटनाशकों और सीवेज के कारण प्रदूषित हो गई है। नदी में हर जगह जलकुंभी फैली हुई हैं। नदी में मछलियाँ और जानवर मर रहे हैं और उनकी बदबू नदी के पानी में है। और यही पानी प्रशासन द्वारा पिछले 25 वर्षों से बिना फिल्टर के 5 गांवों काम्बा, पांचवा मैल, नवथारपाड़ा, वाघेरापाड़ा, पावशेपाड़ा और पाडे के लगभग 5000 नागरिकों को दैनिक उपयोग के लिए आपूर्ति की जा रही है।

उल्हास नदी का प्रदूषित पानी बिना किसी फिल्टरेशन या प्रसंस्करण के नागरिकों को आपूर्ति किए जाने के कारण त्वचा रोग और अन्य शारीरिक व्याधियां उत्पन्न हो रही हैं।

नागरिक बीमारियों और गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीण और उल्हास नदी संरक्षण कार्य समिति के कार्यकर्ता निकेश पावशे ने मांग की है कि प्रशासन जल्द ही इस पर ध्यान दे और यह सुनिश्चित करे कि कांबा और अन्य गांवों के ग्रामीणों को पीने के लिए स्वच्छ पानी मिले। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि यदि शीघ्र ही उचित व्यवस्था नहीं की गई तो ग्रामीणों को कड़ा विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा।

अंबरनाथ-बदलापुर के 6 स्कूल अनाधिकृत घोषित

शिक्षा विभाग ने जारी की सूची

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पंचायत समिति शिक्षा विभाग ने तालुका के उन अनधिकृत स्कूलों की सूची जारी की है जिनके पास अनुमति नहीं है। इस सूची में छह स्कूल शामिल हैं। इन स्कूलों को अनाधिकृत घोषित कर दिया गया है क्योंकि इन्हें कक्षाएं संचालित करने के लिए कोई सरकारी मंजूरी नहीं मिली है। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों को इन स्कूलों की किसी भी कक्षा में दाखिला न दिलाएं। शिक्षा विभाग ने अंबरनाथ तालुका के कुछ स्कूलों को नोटिस जारी कर कहा था कि वे अपना संचालन जारी न रखें, क्योंकि उनके पास अनुमति नहीं है। हालाँकि, यह बात सामने आई कि कुछ स्कूल इन नोटिसों के बाद भी चलते रहे। इसलिए, अंबरनाथ शिक्षा विभाग ने तालुका के इन स्कूलों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

अभिभावकों से अपील

अंततः अंबरनाथ पंचायत समिति के शिक्षा विभाग द्वारा आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। शिक्षा विभाग पंचायत समिति, अंबरनाथ के अंतर्गत आने वाले 6 स्कूलों को कक्षाएं आयोजित करने के लिए सरकारी मंजूरी नहीं मिली है। इसलिए सरकार ने इन स्कूलों को अनाधिकृत घोषित कर दिया है। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को निम्नलिखित स्कूलों में किसी भी कक्षा में दाखिला न दिलाएं, क्योंकि ये अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं। उक्त अपील शिक्षा अधिकारी विशाल पोटेकर ने की है.

पोटेकर ने अपने पत्र में यह भी कहा कि यदि सार्वजनिक घोषणा के बाद भी अभिभावक अपने बच्चों को इस स्कूल में दाखिला दिलाते हैं तो भविष्य में उनके बच्चों को होने वाली किसी भी समस्या के लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। कृपया सूची पर ध्यान दें।

अनाधिकृत स्कूल की सूची

- अनिरुद्ध हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज, कात्रप, पनवेल हाईवे, बदलापुर (पूर्व), ता. अम्बरनाथ.
- श्री चेतन्य टेक्नो स्कूल सर्वे नंबर 77, आर्यन 1 ठाणेकर शिरगांव बदलापुर (पूर्व) ताल. अंबरनाथ
- स्टार लाइट्स इंटरनेशनल स्कूल सोनीवली गांव, बदलापुर (पश्चिम)
- नेसम इंग्लिश मीडियम स्कूल, कुदसावरे गांव वांगानी (पश्चिम) ता. अंबरनाथ.
- रुद्र इंटरनेशनल स्कूल, दोन, वांगनी (प.) ताल. अंबरनाथ
- नवजीवन इंटरनेशनल स्कूल, वांगनी (प.)

बदलापुर : खेल परिसर का निर्माण अधर में

■ खिलाड़ियों का इंतजार और बढ़ा

बदलापुर. बदलापुर और अंबरनाथ दोनों शहरों के एथलीटों के लिए खेल परिसर बनाए गए। अंबरनाथ में बने इस तालुका खेल परिसर की इमारत पहले से ही जर्जर थी। 2024 की बारिश के दौरान यह पूरी तरह से ढह गया। इस स्थान पर अभ्यास करने वाले एथलीटों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि यह दुर्घटना घटिया गुणवत्ता वाले कार्य के कारण हुई है। यहां के खिलाड़ियों ने दुख व्यक्त किया है कि इमारत के ढहने के एक साल बाद भी इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए हैं।

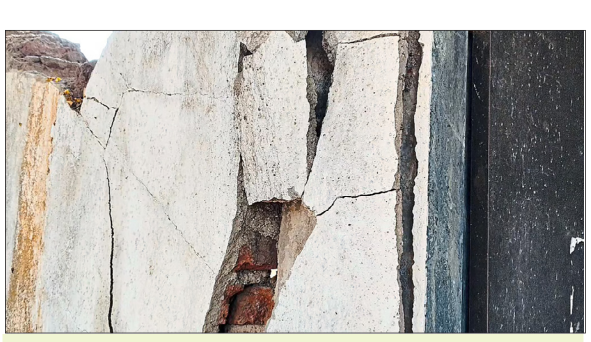

कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह

खेल परिसर की कमी के कारण एथलीट अभ्यास नहीं कर पाते हैं। यहां के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए डोंबिवली और अन्य शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस खेल परिसर के भवन का संरचनात्मक ऑडिट लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया। उस समय रिपोर्ट दी गई थी कि इमारत अच्छी स्थिति में है। हालांकि, इस खेल परिसर के ढहने से लोक निर्माण विभाग के काम की गुणवत्ता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

अंबरनाथ तालुका खेल परिसर दो शहरों अंबरनाथ और बदलापुर के प्रवेश द्वार पर स्थित है। खेल परिसर, जिसमें एक विशाल मैदान और एक संलग्न क्षेत्र है, लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। दस साल से अधिक समय से यहां एक बंद ढांचे का निर्माण किया गया और टेबल टेनिस, बैडमिंटन और कैरम जैसे खेल शुरू किए गए। इसलिए, तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ अंबरनाथ और बदलापुर शहरों के खिलाड़ी भी इससे लाभान्वित हो रहे थे। हर दिन शहर से कई एथलीट इस खेल परिसर में खेलने आते थे। यह इमारत लगभग पांच वर्ष पहले ढहनी शुरू हुई थी। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान यह खेल परिसर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था। इस घटना को अब एक साल हो गया है। उस स्थान पर ढही हुई इमारत का ढांचा एक वर्ष से वहां पड़ा हुआ है। ऐसे में तालुका खेल अधिकारी, लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग इस खेल परिसर के पुनर्निर्माण की उपेक्षा कर रहे हैं। खिलाड़ियों की मांग है कि इस खेल परिसर का निर्माण जल्द से जल्द किया जाए। यहां अभ्यास करने आए सभी खिलाड़ियों का कहना है कि अगर इसका पुनर्निर्माण हो जाए तो यहां के खिलाड़ियों को अभ्यास करने में सुविधा होगी।

टेंडर प्रक्रिया शुरू

तालुका खेल परिसर के पुनर्निर्माण के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। विधायकों के सहयोग से सरकार को इस उद्देश्य के लिए दो करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है। इस संबंध में निविदा प्रक्रिया अभी चल रही है। तालुका खेल परिसर अधिकारी रूही शिंगाड़े ने बताया कि यह कार्य शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा और निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

हाईवे के पास प्लाइवुड और पुट्ठा के गोदाम में लगी भीषण आग

भिवंडी. मुंबई नासिक राजमार्ग पर वाहुली गांव की सीमा में सड़क किनारे एक गोदाम में सुबह-सुबह भीषण आग लग गई. गुप्ता गोदाम में लगी आग में गोदाम में बड़ी मात्रा में पेपर रोल, पुट्ठा और प्लाइवुड रखे होने के कारण आग धीरे-धीरे फैलती गई और इस आग में कुल सात गाले जल गये. घटनास्थल के पास रात में खड़ी एक ट्रक भी आग के चपेट में आकर जलकर खाक हो गई.घटना की जानकारी मिलते ही भिवंडी फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड कर्मचारियों के प्रयास से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. हालांकि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ और न कोई जनहानि होने का समाचार प्राप्त हुआ है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बाल श्रम का कारण गरीबी

भारत में बाल तस्करी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण गरीबी है। भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी की वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सर्वाधिक असुरक्षित हैं। आजीविका का साधन न होने के कारण लोग अपने बच्चों को किसी न किसी काम में लगा देते हैं। बाल तस्करों की नजर अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं पर ही नहीं, ऐसे बच्चों पर भी होती है जो ढाबों-होटलों और ईंट-भट्ठों पर काम कर रहे होते हैं। इन्हें अगवा कर बेच दिया जाता है।

कई बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोह के चंगुल में फंस जाते हैं। बच्चियां यौन शोषण का शिकार होती हैं। आदिवासी इलाकों से बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता हो जाते हैं। थानों में उनकी सुनवाई नहीं होती। एक अस्पताल से नवजात शिशु के गायब होने और उसे बेचे जाने के मामले में शीर्ष न्यायालय ने उचित ही कड़ा रुख दिखाया है। इसमें दोराय नहीं कि बाल तस्कर समाज के दुश्मन हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता वाजिब है। अगर अस्पतालों से शिशु गायब होते हैं, तो उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनके लाइसेंस रद्द होने चाहिए।

पुलिस जल्दी दर्ज नहीं करती मुकदमा

यह छिपी बात नहीं कि भारत में बच्चों को किस तरह अगवा कर उनका बचपन छीना जा रहा है। उन्हें बालश्रम और यौन कर्म में तो झोंका ही जाता है, अंग तस्करी का शिकार बना कर उनकी जान को जोखिम में डाल दिया जाता है। यह मानवीय गरिमा के खिलाफ है। ताज्जुब है कि इस तरह की गतिविधियां पुलिस तंत्र की नाक तले वर्षों से चल रही हैं। एक तरफ तो बच्चों के गायब होने की रपट आसानी से लिखी नहीं जाती, दूसरी तरफ बहुत कम बच्चे तस्करों के चंगुल से छूट कर घर लौटते हैं।

उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीशा और मध्यप्रदेश में बाल तस्करी के मामले अधिक दर्ज होते हैं। यहां ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि अभिभावकों के जागरूक होने से मामले दर्ज होने लगे हैं। वहीं देश भर की अदालतों में बाल तस्करी के कई मामले लंबित हैं। शीर्ष अदालत के ऐसे मामलों की जानकारी देने और जल्द सुनवाई पूरी करने के निर्देश से बाल तस्करी के मामलों पर लगाम लगने की उम्मीद बनी है।

कोर्ट को सुनवाई की समयसीमा निर्धारित करने का अधिकार

सर्वोच्च न्यायपीठ ने दलबदल की याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा है कि इनसे जुड़े निर्णय में देरी से संविधान की दसवीं अनुसूची के उद्देश्य विफल हो सकते हैं। न्यायालय ने कहा कि कोर्ट को सुनवाई की समयसीमा निर्धारित करने का अधिकार है, लेकिन न्यायालय याचिकाओं के परिणाम नहीं निर्धारित कर सकता।

यह निर्धारण सदन के सभापति करते हैं। कोर्ट ने मणिपुर विधानसभा मामले (2020) सहित कई मामलों में निर्णय की समयसीमा निर्धारित करने की अपेक्षा की है। एक मामले (1992) में कहा कि कार्यवाही में देरी की स्थिति में न्यायालय को हस्तक्षेप का अधिकार है। 1994 में रवि एस. नायक बनाम भारत संघ मामले में अध्यक्ष की निष्पक्षता पर भी टिप्पणी की गई थी।

इसी तरह कोर्ट ने तमिलनाडु के मामले में 10 विधेयकों को लंबे समय तक विचारार्थ रखने को लेकर राज्यपाल पर तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 201 में राष्ट्रपति के निर्णय की कोई समयसीमा नहीं है, पर कोर्ट ने विधेयकों को सीधे मंजूर करने का फैसला अनु. 142 की विशेष शक्तियों के अंतर्गत कर दिया।

कोर्ट ने राष्ट्रपति की एवं अपनी शक्तियों का अलग-अलग उल्लेख किया है। दोनों आदरणीय हैं, मगर अधिकारों की तुलना विचारणीय है। प्रथमदृष्टया संविधान के दोनों प्रविधानों में टकराव दिखाई पड़ रहा है। यह उचित नहीं है। यदि संवैधानिक संस्थाएं ठीक से कर्तव्यपालन करें तो संवैधानिक

राजव्यवस्था भी ठीक चलती है। कर्तव्यपालन न करें तो कठिनाइयां आती हैं।

संसद और विधानमंडलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए अनुच्छेद 102 एवं 191 में सदस्यों के लिए अनेक अयोग्यताएं निर्धारित हैं। संसद ने दलबदल विरोधी अधिनियम बनाया था। पिछली सदी के सातवें दशक में थोक के भाव दलबदल हो रहे थे। हरियाणा के एक नेता ने 1967 में एक दिन में तीन बार दलबदल किया था। तभी 'आया राम गया राम' का मुहावरा चला। इसके बाद कई राज्यों में दल टूटकर सरकारें बनीं।

जनतंत्र में दल विचार के आधार पर बनते हैं। विचार निष्ठा लोकप्रिय बनाती है। राजनीतिक दल व्यक्ति को चुनाव लड़ाते हैं। वह जिस दल से निर्वाचित होता है उसे छोड़ देना मतदाता के साथ धोखाधड़ी एवं वैधानिक अनैतिकता है। 1985 में राजीव गांधी के नेतृत्व में 404 कांग्रेसी सांसद थे।

कहा जाता है कि उन्होंने दलबदल के भयवश 52वां संविधान संशोधन पारित करवाया था। यही संविधान की दसवीं अनुसूची है। इसमें दलीय सदस्यों के एक तिहाई सदस्यों के एक साथ दलबदल करना दलों का विलय माना गया था। अजीब है कि जो काम एक व्यक्ति करे तो पाप है। एक तिहाई करें तो पुण्य।

अनेक राज्यों में दलबदलुओं को लाभ हुआ। वे रातोंरात मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों से लाभान्वित हुए। 91वें संविधान संशोधन द्वारा विलय की सुविधा में सख्ती आई। एक तिहाई की जगह दो तिहाई सदस्यों का प्रविधान किया गया। दो तिहाई सदस्यों का एक साथ दलबदल आसान नहीं था। कुछ राज्यों में धीरे-धीरे एक दो सदस्य किस्तों में आते गए और दलबदल को विलय माना जाता रहा।

दलीय अनुशासन भी दलबदल का मुख्य तत्व बना। सदस्य द्वारा विधानमंडल दल के प्राधिकारी के जारी निर्देशों को न मानना अथवा प्राधिकारी के निर्देशानुसार मतदान न करना या मतदान से दूर रहना भी दलबदल कानून के अधीन दंडनीय है। व्यक्ति या समूह द्वारा जानबूझकर दल त्याग भी संभव है। कई बार दल अपनी विचारधारा बदलते हैं। कुछ सदस्यों को यह असहनीय लगता है।

वे सदन में अपने दल के विरुद्ध बोलते हैं। विचार अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार भी दलीय अनुशासन में नहीं मिलता। जबकि अनु. 105 एवं अनु. 194 में सदस्यों को विचार अभिव्यक्ति की असीम स्वतंत्रता है। कई बार सदस्य को अपने अथवा दल के विचार बदल जाने के कारण भी कठिनाई आती है। तब दलीय अनुशासन तानाशाही हो जाता है। राजनीतिक स्थिरता के लिए दलबदल पर रोक भी जरूरी है, लेकिन इसे सालाना बजट या अविश्वास प्रस्ताव जैसे महत्वपूर्ण अवसरों तक सीमित रखना होगा।

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अधिक व्यावहारिक निर्णय लेने के काबिल बन जाते हैं क्योंकि हम जीवन को एक उच्चतर दृष्टिकोण से देखने लगते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अजीबोगरीब रेस : इंसानों की जगह स्पर्म लगाएंगे दौड़

जरा हट के

आ एक स्टार्टअप ने अजीबोगरीब रेस का आयोजन किया है, जिसमें इंसानों की जगह स्पर्म दौड़ लगाएंगे. स्पर्म रेसिंग नाम के इस स्टार्टअप ने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में माइक्रोस्कोपिक रेस का आयोजन किया है.

आपने टीवी पर सैकड़ों रेस देखी होंगी, क्रिकेट या फुटबॉल मैच को देखने स्टेडियम गए होंगे, पर जो चीज इंसानों को बनाती है, क्या आपने उनकी रेस देखी है? सुनकर अजीब लगेगा, पर ऐसी रेस (Sperm Race USA) हकीकत बनने जा रही है. एक अजीबोगरीब रेस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें इंसान नहीं स्पर्म दौड़ लगाएंगे. हैरानी की बात ये है कि इस रेस में क्रिकेट मैच की तरह हजारों दर्शक जुटेंगे.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार एक स्टार्टअप ने अजीबोगरीब रेस का आयोजन किया है, जिसमें इंसानों की जगह स्पर्म दौड़ लगाएंगे. स्पर्म

रेसिंग नाम के इस स्टार्टअप ने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में, हॉलीवुड पैलेडियम के अंदर इस माइक्रोस्कोपिक रेस का आयोजन किया है. ये रेस 25 अप्रैल को होगी. इस रेस में दो माइक्रोस्कोपिक स्पर्म का इस्तेमाल किया जाएगा जो अलग-अलग इंसानों के होंगे. ये 0.05 मिलीमीटर लंबे होंगे और इन्हें 20 सेंटीमीटर के माइक्रोस्कोपिक रेस ट्रैक में दौड़ लगानी होगी जिसे महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टव के आकार का बनाया गया है.

एडवांस इमेजिंग से पता चलेगा कि कौन से स्पर्म ने पहले फिनिश लाइन को पार किया. इस रेस को देखने के लिए 1000 दर्शक तक आएंगे. इसे बड़े स्पोर्टिंग ईवेंट की तरह आयोजित किया जा रहा है. इसकी प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, लाइव कमेंट्री का आयोजन किया जाएगा और सट्टा लगाने के भी मौके लोगों को मिलेंगे. कंपनी ने इस रेस के लिए अबतक 8 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं. इंसानी स्पर्म की चलने की स्पीड 5 मिलीमीटर प्रति मिनट के करीब होती है, ऐसे में ये रेस कितनी लंबी चलेगी, कोई नहीं जानता. ये कुछ मिनटों से लेकर घंटों तक भी चल सकती है.

वोट बैंक की राजनीति खत्म करते मोदी

वक्फ कानून में संशोधन एक ऐसा पैमाना था, जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दोनों राजनीतिक मददगारों चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को परखा जाना था। चूंकि आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनावों के साथ ही विधानसभा चुनाव हो गए थे, इसलिए नायडू के लिए तुरंत कोई बड़ा संकट नहीं था, लेकिन बिहार में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। इसके बावजूद जिस तरह से जदयू वक्फ संशोधन कानून बनाने के लिए मोदी के साथ मजबूती से खड़ी हुई, उसे इतिहास में याद किया जाएगा। बिहार चुनावों के बाद ही जदयू के इस जोखिम का सही परिणाम पता चल सकेगा, लेकिन इससे इतना तो तय हो गया है कि देश में मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति का दबाव समाप्त सा हो गया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के लोग लगातार धमकियां देते रहे, लेकिन मुसलमानों का डर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को उनका मतपरिवर्तित करने के लिए तैयार नहीं कर पाया। जिस दौरान देश में गाजा से लेकर वक्फ के मुद्दे पर कथित सेक्युलर राजनीति करने वाले नेता मुसलमानों का डर बढ़ा रहे थे, उसी दौरान मोदी को इस्लामिक देश कुवैत अपने सबसे बड़े सम्मान से नवाज रहा था। मोदी की शुरुआती राजनीति ही वोट बैंक की राजनीति के दबाव से बाहर निकलने की रही है। गुजरात में उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया तो सबसे बड़ा संकट राज्य के सबसे शक्तिशाली पटेल वोट बैंक के दबाव से बाहर निकलने का था। मोदी ने बड़े सलीके से हिंदूहृदय सम्राट वाली छवि में पटेल नेताओं को इतना सीमित कर दिया कि उनके गुजरात से निकले एक दशक होने के बाद भी गुजरात का मतलब मोदी ही है।

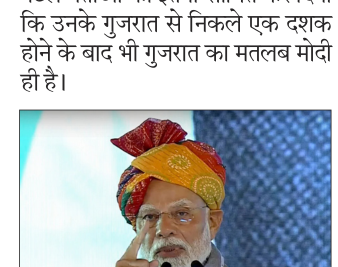

उन्होंने अन्य जातीय समूहों का दबाव समाप्त कर दिया है और हिंदू पहचान के साथ सभी जातीय समूहों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जुड़ चुका है। मोदी अब यही कोशिश मुस्लिम वोट बैंक के मामले में भी कर रहे हैं। वह मुस्लिमों को भारतीय पहचान सबसे पहले रखने के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी हिंदू एकता से आगे 'हम भारत के लोग' की अवधारणा को मजबूत करके दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। मोदी देश के दूसरे नागरिकों की ही तरह मुसलमानों के मन से भी यह आकांक्षा समाप्त कर देना चाहते हैं कि हमारी जाति, हमारे क्षेत्र, हमारे मजहब के लिए सरकार क्या कर रही है। मोदी यह स्थापित कर देना चाहते हैं कि देश की बेहतरी तभी हो सकती है, जब सबके लिए बेहतरी के एकसमान अवसर सरकारी नीतियों से मिलें। यही वजह है कि मोदी सरकार की योजनाओं में किसी भी वर्ग के लिए भेदभाव का छटांक भर का भी आरोप नहीं है। भाजपा शासित राज्यों में दंगे न्यूनतम होते हैं, यह बात भी आंकड़ों से स्थापित हो चुकी है।

विपक्षी पार्टियां एक समय में पिछड़ों और अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों को भी भाजपा के विरुद्ध खड़ा करती थीं, लेकिन उनसे संवाद के लिए भाजपा के पास हिंदू पहचान वाला बड़ा आधार था। मुस्लिमों को भाजपा का स्वाभाविक दुश्मन बताने में विपक्षी पार्टियों को इसलिए आसानी होती है, क्योंकि राष्ट्रवाद से लेकर देश और देश की संस्कृति के मुद्दों पर भाजपा की मुखरता मुसलमानों को अपनी पहचान को लेकर सतर्क करने लगती है।

विपक्षी पार्टियां जानबूझकर मुगल आक्रांताओं से जुड़ी मुस्लिम पहचान को उभारकर उनके भीतर एक डर बैठाना चाहती हैं, लेकिन मोदी ने मुसलमानों के बीच पैठ बनाने का रास्ता सीख लिया है। दरअसल मोदी ने शिया, सुन्नी, दाऊदी बोहरा, खोजा, गुजराती शेख, मेनन, पठान आदि के विभाजन को ही उनके बीच पहुंचने का आधार बनाया है।

मशरूम टिक्का

शाम को जब हल्की-फुल्की भूख सताने लगे, तो अब आपको बाहर भटकने की जरूरत नहीं है। जी हां, यहां हम आपके लिए मशरूम टिक्का की एक ऐसी रेसिपी लेकर आए हैं, जो रोज-रोज आलू या पनीर से ऊब चुके लोगों के लिए एकदम परफेक्ट रहेगी। खास बात है कि यह टेस्टी के साथ-साथ सेहत के लिहाज के भी हेल्दी है।

सामग्री :

- ताजे मशरूम – 200 ग्राम
- दही – 1/2 कप (गाढ़ा)
- अदरक-लहसुन का पेस्ट – 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर – 1/2 चम्मच
- हल्दी – 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर – 1/2 चम्मच
- गरम मसाला – 1/4 चम्मच
- चाट मसाला – 1/2 चम्मच
- नमक – स्वादानुसार
- नींबू का रस – 1 चम्मच
- सरसों का तेल – 1 बड़ा चम्मच
- हरा धनिया – गार्निश के लिए
- प्याज और शिमला मिर्च –

विधि :

सबसे पहले एक बाउल में दही डालें और उसमें अदरक-लहसुन पेस्ट, सारे मसाले, नमक, नींबू का रस और सरसों का तेल मिलाएं। इसे अच्छे से फेंट लें ताकि स्मूद पेस्ट बन जाए और फिर धोकर सुखाए हुए मशरूम को इस मैरिनेशन में डालें। इन्हें अच्छे से मिलाएं ताकि सभी मशरूम पर मसाला लग जाए और अब इसे ढककर 15-20 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें ताकि स्वाद अंदर तक समा जाए। इसके बाद नॉन-स्टिक तवे पर थोड़ा तेल गर्म करें और फिर मैरीनेटेड मशरूम को तवे पर रखें और धीमी आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। आप चाहें तो प्याज और शिमला मिर्च के टुकड़े भी साथ में सेक सकते हैं। वहीं, अगर आपके पास ओवन या एयर फ्रायर है, तो उसमें भी 180°C पर 10-12 मिनट ग्रिल किया जा सकता है।

किडनी को करती हैं डैमेज ये 5 ड्रिंक्स

किडनी हमारे खून को साफ करने, टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और शरीर में लिक्विड का बैलेंस बनाए रखने का काम करती है। इसलिए किडनी को हेल्दी रखना काफी जरूरी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ड्रिंक्स किडनी को नुकसान पहुंच सकता है और किडनी डिजीज या अन्य गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 ड्रिंक्स के बारे में, जो किडनी के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

किडनी को नुकसान पहुंचाने वाले ड्रिंक्स

सोडा और कोल्ड ड्रिंक्स

सोडा और कोल्ड ड्रिंक्स में हाई फ्रक्टोज कॉर्न सिरप, फॉस्फोरिक एसिड और आर्टिफिशियल शुगर होती है, जो किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए जो लोग रोजाना सोडा पीते हैं, उनमें किडनी स्टोन और किडनी डैमेज का खतरा बढ़ जाता है। फॉस्फोरिक एसिड यूरिन में कैल्शियम के लेवल को बढ़ाता है, जिससे पथरी बनने की खतरा बढ़ जाती है।

एनर्जी ड्रिंक्स

एनर्जी ड्रिंक्स में कैफीन, शुगर और आर्टिफिशियल स्टिमुलेंट्स होते हैं, जो किडनी पर ज्यादा दबाव डालते हैं। ये ड्रिंक्स डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं, जिससे किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक एनर्जी

ड्रिंक्स पीने से किडनी फंक्शन कमजोर हो सकता है और किडनी डिजीज का खतरा बढ़ सकता है।

अल्कोहल (शराब)

ज्यादा शराब पीना किडनी के लिए बेहद हानिकारक होता है। अल्कोहल डिहाइड्रेशन पैदा करता है और किडनी के लिए टॉक्सिन्स को फिल्टर करना मुश्किल हो जाता है। लगातार शराब पीने से किडनी सिरोसिस और किडनी फेलियर का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, यह यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाकर गाउट जैसी समस्याएं भी पैदा कर सकता है।

पैक्ड फ्रूट जूस

मार्केट में मिलने वाले पैक्ड फ्रूट जूस में ज्यादा मात्रा में शुगर और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं। ये जूस किडनी पर ज्यादा दबाव डालते हैं और डायबिटीज व मोटापे का कारण बन सकते हैं, जो किडनी डिजीज के अहम रिस्क फैक्टर्स हैं। ताजे फलों का जूस पीना बेहतर है, लेकिन पैक्ड जूस से बचना चाहिए।

ज्यादा कॉफी पीना

कॉफी में मौजूद कैफीन किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकता है, अगर इसे ज्यादा मात्रा में पिया जाए। कैफीन डिहाइड्रेशन पैदा करता है और किडनी को ज्यादा एक्टिव होने के लिए मजबूर करता है। ज्यादा कॉफी पीने से किडनी स्टोन का खतरा भी बढ़ जाता है।

आज का राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में निवेश लाभदायक रहेगा।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ वजन भी कम करती है हल्दी

ऐसे करें इस्तेमाल

7 दिन में दिखने लगेगा असर

अगर आप भी मोटापा कम करना चाहते हैं तो हमारे किचन में मौजूद मसाले आपकी मदद कर सकते हैं। हम हल्दी की बात कर रहे हैं। हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण सूजन कम करने, इम्यून पॉवर बढ़ाने, घाव भरने, और पाचन सुधारने में सहायक होते हैं।

आप हल्दी का इस्तेमाल वजन कम करने में भी कर सकते हैं। इसके लिए हल्दी को कुछ तरीकों से अपने खाने पीने में शामिल करना पड़ता है। अगर आपने सही तरीका अपना लिया तो आपको सात दिन में फर्क मालूम पड़ने लगेगा। आज हम आपको अपने इस लेख में बताएंगे कि हल्दी कैसे वजन कम करने में सहायक होती है। इसे कैसे अपने डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए जानते हैं विस्तार से-

कैसे वजन कम करती है हल्दी?

भारत के लगभग सभी घरों में हल्दी का खूब इस्तेमाल किया जाता है। हल्दी खाने का तो स्वाद बढ़ाती ही है, साथ ही ये सेहत के लिए भी बेहद

फायदेमंद होती है। अगर आप अपनी डाइट में हल्दी को शामिल करते हैं तो इससे आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। ये सूजन कम करती है और फैट बर्निंग प्रॉसेस को बढ़ावा देती है। यही कारण है कि हल्दी से तेजी से वजन कम करने में मदद मिलती है।

इन तरीकों से डाइट में शामिल करें हल्दी

हल्दी वाला पानी: सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से तेजी से वजन कम होता है। इसमें नींबू का रस मिलाने से तेजी से असर देखने को मिलता है।

हल्दी-दालचीनी का काढ़ा: हल्दी और दालचीनी दोनों ही मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं। एक कप पानी में आधा चम्मच हल्दी और छोटा सा टुकड़ा दालचीनी डालकर उबालें। इसे छानकर सुबह या रात को सोने से पहले पिएं। इससे पेट भरा हुआ महसूस होता है।

हल्दी दूध: हल्दी वाला दूध सिर्फ सर्दियों में ही नहीं, वजन घटाने के लिए भी असरदार है। इससे नींद बेहतर होती है। शरीर में जमी हुई चर्बी भी धीरे-धीरे कम होने लगती है। ध्यान रहे कि हल्दी वाला दूध पीने के बाद तुरंत लेटना या सोना नहीं चाहिए।

हल्दी चाय: हल्दी की चाय बनाने के लिए एक कप पानी में हल्दी, अदरक और नींबू का रस मिलाकर चाय की तरह उबालें। यह पेट साफ रखने में मदद करती है और पाचन बेहतर बनाती है।

खाने में करें इस्तेमाल: आप हल्दी को अपने रोज के खाने में जरूर शामिल करें। ये शरीर की अंदरूनी सफाई भी करती है।

गर्मी में इससे ज्यादा न पिएं चाय-कॉफी

गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग ठंडी चीजों की ओर रुख करते हैं. लेकिन, कई लोग ऐसे हैं जो गर्मी में भी दिन की शुरुआत चाय या कॉफी के साथ ही करते हैं. खासकर खरगोन सहित निमाड़ में 45 डिग्री टेंपरेचर में भी लोग मजे से चाय की चुस्कियां लेते हैं. हालांकि, डॉक्टर इसे सेहत के साथ खिलवाड़ समझते हैं.

खरगोन के सरकारी अस्पताल में पदस्थ डॉ. स्वप्निल श्रीवास्तव बताते हैं कि गर्मी में ज्यादा चाय या कॉफी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. क्योंकि, इसमें कैफीन की मात्रा बहुत होती है. इसकी वजह से शरीर में पानी की कमी हो सकती है. डीहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, थकान और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

डॉ. श्रीवास्तव का कहना है कि कैफीन नींद के चक्र को भी प्रभावित करता है. गर्मी में जब शरीर को आराम और नींद की ज्यादा जरूरत होती है, तब अधिक मात्रा में चाय-कॉफी पीने से नींद उड़ जाती है. कम नींद लेने से मानसिक तनाव और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है.

वहीं, अधिक मात्रा में अगर चाय या कॉफी का सेवन करते हैं तो पाचन तंत्र पर भी इसका असर पड़ता है. खाली पेट चाय-कॉफी पीने से गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या हो सकती है. गर्मी में पहले से ही पाचन कमजोर होता है, ऐसे में ज्यादा मात्रा में चाय या कॉफी पीने से स्थिति और बिगड़ सकती है.

डॉक्टरों की सलाह है कि गर्मी में चाय या कॉफी की जगह अन्य तरल पदार्थ जैसे - नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ या सादा पानी अधिक मात्रा में पिएं. इससे शरीर में पानी की मात्रा बनी रहेगी और बीमारियां भी दूर रहेंगी. अगर चाय या कॉफी पीना ही है तो दिन में एक या दो बार सीमित मात्रा में लें और वह भी खाने के बाद.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

विवेचना में मनमानी करने पर दरोगा सस्पेंड

गोंडा. यूपी के गोंडा में विवेचना में मनमानी करने पर देहात कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अजय सिंह पर गाज गिर गई है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने प्रारंभिक जांच के बाद मामले में लापरवाही बरतने पर उपनिरीक्षक को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक मुकदमे में पर्यवेक्षण अधिकारी के निर्देश के बावजूद लापरवाही और डॉक्टरी रिपोर्ट के बाद भी जानलेवा हमले की धारा न बढ़ाने पर की गई है। दरोगा पर केस की विवेचना में साठगांठ करने का आरोप लगा था। बताया जाता है कि कोतवाली देहात क्षेत्र के मलारी में मारपीट की घटना हुई थी। आरोप है कि धारदार हथियार से पीड़ित पर दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गया। मामले में पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। बताया जा रहा है कि मुकदमे के विवेचक अजय सिंह ने चिकित्सक की रिपोर्ट के आधार बयान के बाद भी जानलेवा हमले की धारा नहीं लगाई। इस मामले में महीने तक एक भी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ।

यूपी में फिर हैवानियत! लड़की को अगवा कर 5 युवकों ने किया गैंगरेप, बेहोशी की हालत में फेंका

हमीरपुर. यूपी के हमीरपुर में सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 21 वर्षीय युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती मंगलवार रात करीब 10 बजे शौच करने जा रही थी। तभी गांव के पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया और खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। बेहोशी की हालत में खेत पर पड़ी मिली युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन नामजद समेत पांच आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर एक को हिरासत में लिया है। दो आरोपी सगे भाई हैं।

पीड़िता के पिता के अनुसार मंगलवार रात को बेटी शौच के लिए निकली थी। घर से कुछ दूर पशुबाड़े के पास भाइयों वासु, आशू और उनके रिश्तेदार छोटू ने उसे अगवा कर लिया। इनके साथ दो और अज्ञात लोग थे, जिन्हें बेटी पहचान नहीं पाई। गांव में ले जाकर बेटी के साथ हैवानियत की। बेटी के घर न पहुंचने पर खोजबीन शुरू की तो वह खेत में बेहोश मिली। होश में आने के बाद उसने पूरा घटनाक्रम बताया।

प्रेमी संग मिलकर पति का कत्ल, लाश को सांप से डसवाया, चौंकाने वाला खुलासा

मेरठ. यूपी के मेरठ में एक और मुस्कान जैसी कहानी सामने आई है। यहां बहसुमा के अकबरपुर सादात गांव में अमित की मौत सांप के काटने से नहीं हुई थी, बल्कि पत्नी रविता ने अपने प्रेमी अमरजीत के साथ मिलकर गला दबाकर हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा हुआ कि गला दबाकर हत्या की गई है। दम घुटने से मौत की पुष्टि के बाद रविता और उसके प्रेमी अमरजीत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों ने मिलकर अमित की गला दबाकर हत्या की और इसके बाद सर्पदंश से मौत दिखाने के लिए सांप लाश के नीचे दबा दिया था। अमित की हत्या करने के लिए रविता ने ही पूरी प्लानिंग की थी। एक हजार रुपये में सांप खरीदकर लेकर आए थे। अकबरपुर सादात गांव निवासी अमित की 3 दिन पहले मौत हो गई थी। चारपाई अमित की लाश के नीचे एक सांप दबा हुआ मिला था।

नड्डा की जगह कौन होगा भाजपा अध्यक्ष?

- **PM आवास पर हुई अहम बैठक**
- **एक हफ्ते में हो सकता है फैसला**
- **भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए 8 दावेदार**

नई दिल्ली. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने PM आवास पर पार्टी नेताओं संग अहम बैठक की। सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा हो सकती है।

बैठक में कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के अध्यक्षों के नामों पर चर्चा हुई है। अगले दो-तीन दिनों में करीब आधा दर्जन राज्यों के अध्यक्षों की घोषणा हो सकती है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया 20 अप्रैल के बाद कभी भी शुरू हो सकती है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी में होना था, लेकिन अप्रैल आधा बीत जाने के बाद भी नहीं हो सका है। जेपी नड्डा जनवरी, 2020 से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। पार्टी संविधान के मुताबिक उनका कार्यकाल जनवरी, 2023 में खत्म हो गया, लेकिन लोकसभा चुनाव समेत कई बड़े चुनावों के मद्देनजर उनका कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया।

विपक्षी नैरेटिव की काट खोज रही भाजपा भाजपा के एक नेता ने कहा- जो भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा 2029 का लोकसभा चुनाव उसी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि कहीं से यह संदेश न जाए कि संगठन में एक वर्ग की नहीं सुनी जाती या फैसला जबरन थोपा गया है। बीते दस सालों में विपक्ष लगातार यह नैरेटिव गढ़ने का प्रयास कर रहा है।

नई टीम में महिलाओं को 33% जगह संभव भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा- नए अध्यक्ष की घोषणा के बाद राष्ट्रीय परिषद व कार्यकारिणी में 33% तक सीटें महिलाओं को दिए जाने का प्लान है। संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। पार्टी के विभिन्न संगठनों में भी महिला भागीदारी बढ़ेगी।

RSS चाहता है विचारधारा के लिए समर्पित युवाओं को मौका मिले संघ इस पर सहमति चाहता है कि भाजपा सहित सभी आनुषांगिक संगठनों में विचारधारा के प्रति समर्पित युवाओं को तरजीह मिले। वैचारिक रूप से अलग होने के बावजूद विचारधारा और संगठन के प्रति समर्पण जिम्मेदारी देने का एकमात्र पैमाना हो। पहली कतार के नेता ऐसा फ्रेम वर्क दें, जिससे कार्यकर्ता भविष्य में विकल्प बन सकें। यह व्यवस्था राष्ट्रीय अध्यक्ष या उनकी टीम तक नहीं, बल्कि पूरी राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद तक में हो।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के 8 दावेदार

1. शिवराज सिंह चौहान
2. सुनील बंसल
3. धर्मेन्द्र प्रधान
4. रघुवर दास
5. स्मृति ईरानी
6. वानति श्रीनिवासन
7. तमिलिसाई सौंदर्यराजन
8. डी. पुरंदेश्वरी

शेयर बाजार के लौट रहे अच्छे दिन, सेंसेक्स 1500 अंक उछलकर हुआ बंद

मुंबई. शेयर मार्केट तेजी के ट्रैक पर सरपट दौड़ रहा है। ऐसा लग रहा मार्केट के अच्छे दिन लौट रहे हैं। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को सेंसेक्स 1,508.91 अंक उछलकर 78,553.20 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 414.45 अंक चढ़कर 23,851.65 अंक पर ठहरा।

शेयर मार्केट गुरुवार को उड़ान भर रहा है। सुबह की गिरावट के बाद मार्केट में गजब की खरीदारी दिख रही है। सेंसेक्स में 1300 से अधिक अंकों की बंपर उछाल है। सेंसेक्स अब 78,349 पर है। जबकि, एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 352 अंकों की उछाल के साथ 23789 पर पहुंच गया है। बैंकिंग स्टॉक्स उड़ान भर रहे हैं।

फर्क नहीं पड़ता, बस आंकड़ों का खेल

डोनाल्ड ट्रंप के 245 प्रतिशत टैरिफ हमले पर चीन का तंज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से चीन के ऊपर लगाए गए 245 प्रतिशत टैरिफ को लेकर चीन का जवाब आया है। बीजिंग की तरफ टैरिफ को बढ़ाने के फैसले पर तंज कसते हुए कहा गया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा चीनी आयात पर लगाया गया यह टैरिफ अब तर्कसंगत नहीं है, इससे अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। चीन इस व्यापारिक युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता है लेकिन इतना साफ है कि हम इससे डरते भी नहीं है।ऐसे व्यापारिक युद्धों का कोई विजेता नहीं होता है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चीन की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अमेरिका द्वारा उसके ऊपर लगाए गए टैरिफ केवल अब आंकड़ों का खेल बन चुके हैं। इन टैरिफ्स का असर आर्थिक रूप से नहीं पड़ेगा। दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन की तरफ से लिए गए इस फैसले से यह साफ हो गया है कि कैसे अमेरिका दूसरों को डराने-धमकाने और मजबूर करने के लिए टैरिफ का उपयोग एक हथियार के रूप में करता है। ट्रंप प्रशासन को निशाने पर लेते हुए चीनी प्रवक्ता ने कहा, ₹अगर अमेरिका टैरिफ के साथ आंकड़ों का खेल-खेलना जारी रखता है तो चीन उसे नजरंदाज ही करेगा.. क्योंकि इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा.. हां, लेकिन अगर अमेरिका अगर चीन के अधिकारों और हितों को वास्तविक नुकसान पहुंचाना जारी रखता है, तो चीन इसका प्रतिरोध पूरी ताकत के साथ करेगा और आखिर तक अपनी बात पर अड़ा रहेगा।₹

चीन से जब टैरिफ रेट के बारे में पूछा गया को मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह आप अमेरिका से ही पूछिए। यह लड़ाई अमेरिका की तरफ से शुरू की गई है.. हम सिर्फ अमेरिका के हमलों का जवाब दे रहे हैं। हम जो भी कदम उठा रहे हैं वह बहुत ही तार्किक हैं, जबकि अमेरिका की तरफ से उठाए गए कदम बिल्कुल भी तर्कसंगत नहीं हैं। आपको बता दें कि अमेरिका की तरफ टैरिफ वॉर में एक कदम और आगे बढ़ते हुए चीन से आयात होने वाले सामानों पर 245 फीसदी तक टैरिफ लगा दिया गया था। अमेरिका की तरफ से कहा गया कि चीन पर यह टैरिफ उसके द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई का नतीजा है।

फिर अमेरिका दौरे पर जा रहे राहुल गांधी

- **ब्राउन यूनिवर्सिटी में देंगे भाषण**

नई दिल्ली. लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को अमेरिका दौरे पर रहेंगे। इस दो दिवसीय दौरे पर वह रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में भाषण देंगे और वहां के छात्रों एवं प्रोफेसरों के साथ बातचीत करेंगे। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, ₹पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को रोड आइलैंड, अमेरिका स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे। वे वहां व्याख्यान देंगे और फैकल्टी व छात्रों के साथ संवाद करेंगे। इस दौरे के दौरान राहुल गांधी अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय, अनिवासी भारतीयों (NRI) और इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस (IOC) के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का वक्फ कानून पर स्टे नहीं

- **आदेश में कहा- संपत्तियों की स्थिति नहीं बदलेगी, नई नियुक्तियां नहीं होंगी**
- **केंद्र 7 दिन में जवाब देगा**

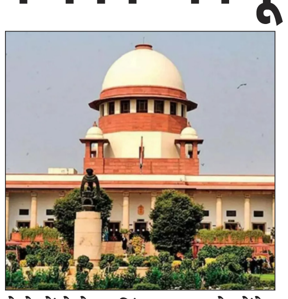

नई दिल्ली. वक्फ संशोधन कानून पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र सरकार को कानून पर जवाब देने के लिए 7 दिन का वक्त दिया है।

सरकार के जवाब के बाद याचिकाकर्ताओं को 5 दिन में जवाब देना होगा। अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून के खिलाफ दायर 70 याचिकाओं की जगह सिर्फ 5 याचिकाएं ही दायर की जाएं। उन्हीं पर सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट सिर्फ 5 मुख्य आपत्तियों पर ही सुनवाई करेगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, '110 से 120 फाइलें पढ़ना संभव नहीं हैं। ऐसे में ऐसे 5 बिंदु तय करने होंगे। सिर्फ 5 मुख्य आपत्तियों पर ही सुनवाई होगी। सभी याचिकाकर्ता मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनाएं। नोडल काउंसिल के जरिए इन आपत्तियों को तय करें।'

CJI संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं।

याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई के दूसरे दिन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है तो उन संपत्तियों को नहीं छेड़ा जा सकता। वहीं केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह अगली सुनवाई तक 'वक्फ बाय डीड' और 'वक्फ बाय यूजर' को गैर-अधिसूचित नहीं करेगा। सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 5 मई की तारीख तय की।

केंद्र ने हाल ही में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था, जिसे दोनों सदनों में तीखी बहस के बाद संसद से पारित होने के पश्चात पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक के पक्ष में 128 और विरोध में 95 सदस्यों ने मत दिया। वहीं, लोकसभा में इसके पक्ष में 288 तथा विरोध में 232 वोट पड़े। इस तरह यह दोनों सदनों से पारित हो गया था।

बंगाल के 26 हजार शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत

- **नई भर्ती तक पढ़ा सकेंगे**
- **31 मई तक SSC को नोटिफिकेशन जारी करने का निर्देश**

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी कर सकते हैं। हालांकि उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (SSC) को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और SSC को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा।

हालांकि, ग्रुप सी और ग्रुप डी के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा था। जिसमें हाईकोर्ट ने 2016 की भर्ती के 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था।

शिक्षक भर्ती घोटाले में नौकरी गंवा चुके टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ 11 अप्रैल को सड़कों पर उतर आए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिन 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताया गया, उनमें से कई ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके से स्कूल सर्विस कमीशन (SSC) तक मार्च किया।

10,000 की भीड़ हुई जमा, छीन ली पुलिस की पिस्तौल

वक्फ संशोधन ऐक्ट के खिलाफ पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल के मुर्शीदाबाद में भड़की हिंसा पर राज्य सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बताया है कि हिंसा के दिन करीब 10,000 की भीड़ जमा हो गई थी। इतना ही नहीं उन्मादी भीड़ ने तब मौके पर तैनात पुलिस की पिस्तौल भी छीन ली थी। NDTV की रिपोर्ट में कहा गया है कि बंगाल सरकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उन्मादी भीड़ में से करीब 10 लोगों के पास घातक हथियार थे, जिनसे पुलिस को अपने अधिकारियों को बचाना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि उपद्रवियों की हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई।

अदालत राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती -धनखड़

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय की थी। इस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं।

संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। दरअसल, अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि वह पूर्ण न्याय (कम्पलीट जस्टिस) करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया। 11 अप्रैल की रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया।

मिथुन बोले- ममता बनर्जी बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा

- **CM ने कहा था- मुर्शिदाबाद हिंसा भाजपा-BSF की मिलीभगत**

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून हिंसा विवाद के बीच भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- ममता बनर्जी बंगाली हिंदुओं के लिए खतरा बन चुकी हैं। बंगाली हिंदू बेघर हैं, राहत शिविरों में खिचड़ी खाने को मजबूर हैं। उनका क्या दोष है। साथ ही उन्होंने कहा- राज्य में भाजपा नहीं, ममता बनर्जी ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। वो समुदायों के बीच अशांति पैदा कर रही हैं।

दरअसल, बुधवार को ममता बनर्जी ने इमामों की सभा में कहा था- मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, BSF और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी। बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए। साथ ही कहा- यूपी के सीएम योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वह सबसे बड़े भोगी हैं।

वहीं, ममता के आरोपों के जवाब में BSF के एक अधिकारी ने कहा- घुसपैठ कराकर हिंसा कराने की बात गलत है। बांग्लादेश बॉर्डर से कोई घुसपैठ नहीं हुई है। इधर पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद हिंसा की जांच के लिए स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठित कर दी है। टीम में नौ अधिकारी होंगे। मुर्शिदाबाद रेंज के DIG को टीम की कमान सौंपी गई है।

बंगाल के 4 जिलों में हिंसक प्रदर्शन हुए थे

वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई थीं।

3 लोगों की मौत हुई। 15 पुलिसकर्मी घायल हुए। 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए। केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। इनमें 300 BSF जवान हैं।

इधर, मुर्शिदाबाद हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को अरेस्ट किया है। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है।

IPL में सुपर ओवर थ्रिलर

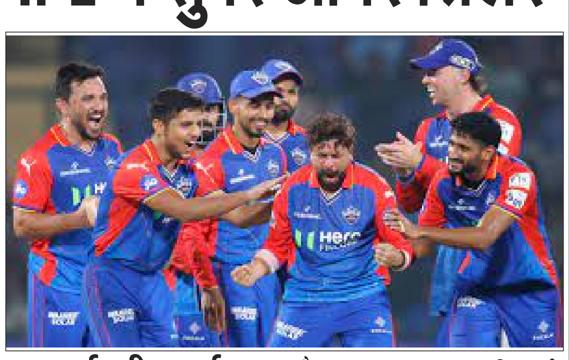

- **स्टार्क की जादुई गेंदबाजी से दिल्ली ने राजस्थान को हराया**
- **टेबल टॉपर बनी कैपिटल्स**

दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को IPL के 18वें सीजन के पहले सुपर ओवर में हरा दिया। सुपर ओवर में राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए मिचेल स्टार्क के खिलाफ 11 रन बनाए। दिल्ली से केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने संदीप शर्मा के खिलाफ 4 गेंद पर टारगेट हासिल कर लिया।

अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को राजस्थान ने बॉलिंग चुनी। दिल्ली ने 5 विकेट खोकर 188 रन बनाए। राजस्थान भी 4 विकेट के नुकसान पर 188 रन ही बना सकी। मिचेल स्टार्क ने 20वें ओवर में शिमरोन हेटमायर और ध्रुव जुरेल के खिलाफ 9 रन डिफेंड करते हुए मैच टाई कराया।

राजस्थान से नीतीश राणा और यशस्वी जायसवाल दोनों ने फिफ्टी लगाई। कप्तान संजू सैमसन 31 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। जोफ्रा आर्चर ने 2 विकेट लिए। दिल्ली से अभिषेक पोरेल ने 49 रन बनाए। कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और मिचेल स्टार्क ने 1-1 विकेट लिया।

दिल्ली के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टीम को मैच जिताया। उन्होंने पहले 20वें ओवर में 9 रन डिफेंड किए और मैच टाई कराया। स्टार्क ने राजस्थान से फिफ्टी लगा चुके नीतीश राणा को भी पवेलियन भेजा। स्टार्क ने फिर सुपर ओवर में भी महज 11 रन खर्च किए और टीम को बड़ा टारगेट नहीं मिलने दिया। राजस्थान ने 9वें ओवर में दूसरा विकेट गंवाया। यहां नीतीश राणा बैटिंग करने आए। उन्होंने तेजी से बैटिंग की और महज 26 गेंद पर फिफ्टी लगा दी। राणा ने 28 गेंद पर 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 51 रन बनाए। उन्होंने ही टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन फिनिशर्स मैच नहीं जिता सके। लखनऊ के निकोलस पूरन 357 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं। चेन्नई के नूर अहमद 12 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर हैं।

नाबालिग की तस्करी के आरोपी को जमानत

- **बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- पत्नी की भूमिका ज्यादा गंभीर**
- **उसे जमानत मिली तो पति को भी मिलेगी**

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़कियों की तस्करी और देह व्यापार के एक मामले में मुंबई के एक आरोपी को जमानत दे दी है। आरोपी को 2 साल से अधिक समय से ट्रायल से पहले ही जेल में रखा गया था।

अदालत ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि आरोपी के खिलाफ कोई ठोस और प्रत्यक्ष सबूत नहीं है। आरोपी की पत्नी की भूमिका इस मामले में ज्यादा गंभीर है और जब उसे जमानत मिल चुकी है तो आरोपी को भी रिहा किया जा सकता है।

जस्टिस मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, "आवेदक की बिना ट्रायल के 2 वर्षों से ज्यादा की जेल, अब तक आरोप तय नहीं होना और निकट भविष्य में ट्रायल पूरे होने की कोई संभावना न होना – ये सब बातें उसे जमानत देने के पक्ष में जाती हैं।"

अदालत ने तीनों लड़कियों के बयान भी देखे और कहा, "तीनों बयानों को पढ़ने के बाद यह नहीं कहा जा सकता कि आवेदक ने इन लड़कियों को किसी भी तरह से बहलाया, धमकाया, लालच दिया या मजबूर किया।"

क्या है मामला...

नवी मुंबई पुलिस ने साल 2023 में इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला नाबालिग लड़कियों को देह व्यापार के लिए उपलब्ध कराती है। इसके बाद पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक बनाकर जाल बिछाया। महिला ने कथित रूप से 35,000 रुपए में तीन लड़कियों को लाने की सहमति दी और एक तय जगह पर ऑटोरिक्शा से लड़कियों को लेकर पहुंची। वहां पहुंचते ही पुलिस ने महिला को पकड़ लिया और तीनों लड़कियों को छुड़ाया।

लू को आपदा घोषित किया

- **मृतकों के परिवार को 4 लाख मिलेंगे**
- **जैसलमेर में पारा 46°**
- **राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव**

नई दिल्ली. राजस्थान में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इनमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46° सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान रहा।

मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी का असर बढ़ गया है। बुधवार को प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। आज भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है।

उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में कम से कम 15 दिनों तक लू की आशंका है। इसे देखते हुए सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है।

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

संक्षेप...

3 क्षय रोगी को 6 महीने का खाद्य सामग्री भेट

ठाणे. जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. ए.एस. मुंजाल ने निक्षय मित्र बनाने के लिए आयुक्त रंगा नायक स्वास्थ्य सेवाएं और निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन महाराष्ट्र राज्य से मुलाकात की और निक्षय मित्र अवधारणा को विस्तार से समझाया।

इस विषय को लेकर उन्होंने 3 क्षय रोग से ग्रसित मरीजों को 6 महीने के लिए गोद लिया है। 17 अप्रैल 2025 को जिला क्षय रोग केंद्र ठाणे कार्यालय के अंतर्गत भिवंडी के 3 क्षय रोगियों को 6 महीने की खाद्य सामग्री भेट स्वरूप दिया गया।

मौलवी ने 'दृश्यम' की कहानी दोहराई

■ नाबालिग की हत्या का साढ़े 4 साल बाद खुला राज

भिवंडी. भिवंडी से फिल्म 'दृश्यम' जैसा एक मामला सामने आया है। यहां क्राइम ब्रांच ने 4.5 साल पहले नाबालिग के लापता होने के राज से पर्दा उठाया है। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने एक मौलवी को गिरफ्तार किया है। इस मौलवी ने 4.5 साल पहले 17 साल के नाबालिग की हत्या कर उसके शव के कुछ अवशेष अपनी ही दुकान में दफना दिए थे। नाबालिग के माता-पिता ने आरोपी मौलवी के लिए सज़ा-ए-मौत की मांग की है।

भीड़ का फायदा उठाकर फरार

यह मामला भिवंडी शहर के नवीबस्ती नेहरू नगर इलाके का है। यहां 20 नवंबर 2020 को 17 साल का शोएब शेख अचानक लापता हो गया। तब परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लिया था, लेकिन काफी जांच करने के बाद भी कोई ठोस सुराग नहीं मिला। समय बीतता गया और अचानक 2023 में स्थानीय लोगों की सूचना के आधार पर पुलिस को इलाके में रहने वाला एक मौलवी गुलाम रब्बानी पर शक हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में भी लिया था, लेकिन पूछताछ के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर वह थाने से फरार हो गया।

सजा-ए-मौत की मांग...

मृतक शोएब की मां ने कहा कि हमारा बेटा लापता होने के बाद भी गुलाम रब्बानी हमारे ही मोहल्ले में रहता था। वह अक्सर सामने आता था लेकिन कभी शक नहीं होने दिया कि वह ही कातिल है। 2023 में पुलिस ने उसे पकड़ा भी था, लेकिन वह भाग गया। आज हमें न्याय की उम्मीद जगी है। हम मांग करते हैं कि हमारे बेटे के कातिल को फांसी दी जाए। उसकी इतनी बेरहमी से हत्या करने वाले को सज़ा-ए-मौत मिलनी चाहिए।

दुकान के अंदर दफनाया

तब से ही पुलिस मौलवी गुलाम रब्बानी की तलाश कर रही थी। हाल ही में ठाणे क्राइम ब्रांच को उसके बारे में जानकारी मिली। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोरखनाथ घार्गे की टीम ने उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान मौलवी गुलाम रब्बानी ने कबूल किया कि उसने ही शोएब की हत्या की थी। शव के कुछ हिस्से उसने सड़क किनारे फेंक दिए थे और कुछ हिस्से अपनी दुकान के अंदर दफना दिए थे। उसने बताया कि उसने शोएब के सिर को दुकान में दफनाया। इसके बाद पुलिस उसे घटनास्थल पर लेकर गई और फॉरेंसिक टीम की मदद से अवशेष बरामद किए गए।

शिक्षा की ज्योति जला रही महाज्योति

■ जेईई, नीट और एमएचटी-सीईटी के हजारों छात्रों में पुस्तकों का वितरण

ठाणे. महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (महाज्योति) की 'पुस्तक संच वाटप योजना' के तहत इस वर्ष 7000 से अधिक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को जेईई, नीट और एमएचटी-सीईटी की किताबें वितरित की जाएँगी। यह पहल इन जरूरतमंद छात्रों को उनकी आगामी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में वरदान साबित होगा। बता दें कि महाज्योति के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 7000 से अधिक ओबीसी छात्रों ने पंजीकरण कराया है और उन्हें ही यह अध्ययन सामग्री प्राप्त होगी। ये लाभार्थी महाराष्ट्र के सभी 36 जिलों से आए हैं, जिनमें सबसे अधिक पंजीकरण जलगाँव क्षेत्र से हुए हैं। इसके बाद अमरावती, धुले, बुलढाणा, अहमदनगर और अन्य क्षेत्रों से पंजीकरण हुए हैं। इस योजना के तहत पुस्तकों का वितरण शुरू किया जा चुका है।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए महाज्योति

महाराष्ट्र सरकार के अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तहत महाज्योति एक स्वायत्त संगठन है। यह संगठन इस तरह की पहलों के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने में जुटा है। यह विभाग ओबीसी, वंचित जातियों-घुमंतू जनजातियों और विशेष पिछड़ी जातियों के लिए शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियाँ चला रहा है।

विद्यार्थी योजना का लाभ उठाएँ

महाराष्ट्र के अन्य पिछड़ा वर्ग और बहुजन कल्याण विभाग के मंत्री श्री अतुल सावे जी ने इस संदर्भ में बताया, ₹महाज्योति योजना को छात्रों से जो शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, वह सराहनीय है। यह पहल अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने और उन्हें अपने जीवन में लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करती है। हम ओबीसी छात्रों के लिए इस तरह के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम उन्हें प्रोत्साहित करते हैं कि वे आगे आएँ और इस प्रकार की महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएँ।

सर्वश्रेष्ठ संसाधन प्रदान करना हमारा संकल्प

महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (महाज्योति) के प्रबंध निदेशक श्री प्रशांत वावगे जी ने कहा, ₹प्रवेश परीक्षाओं में सफलता पाने में जुटे छात्रों से इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलना इस योजना हेतु बहुत ही उत्साहजनक है। यह प्रतिसाद विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक संसाधन प्रदान करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। हम हर योग्य ओबीसी छात्र से आग्रह करते हैं कि वह इस सुनहरे अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए इस योजना का हिस्सा बने। हम सभी विद्यार्थियों को उनकी तैयारी व उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएँ देते हैं।₹

कक्षा 1 से 5 तक हिन्दी होगी अनिवार्य

■ भाषा विरोध के बीच राज्य सरकार का फैसला

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में इन भाषाओं के साथ-साथ हिंदी भाषा को भी कक्षा 1 से 5 तक के लिए अनिवार्य कर दिया है। राज्य में मराठी भाषा को बढ़ाए जाने और हिंदी भाषी लोगों के साथ होने वाली मारपीट की कई घटनाएं सामने आने के बीच राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पाठ्यक्रम के तहत महाराष्ट्र में यह तीन भाषा फॉर्मूला लाया गया है।

राज्य के स्कूली शिक्षा विभाग ने बुधवार को इस बारे में एक बयान जारी करते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सुझावों को मानते हुए पाठ्यक्रम को एक नए तरीके से तैयार किया गया है। इस बयान के अनुसार, महाराष्ट्र के अन्य माध्यम स्कूल पहले से ही तीन भाषा फॉर्मूले का पालन कर रहे हैं.. क्योंकि राज्य में मराठी और अंग्रेजी भाषा को पढ़ाना अनिवार्य है। ऐसे में यह अपने आप ही तीन भाषाएं पढ़ाते हैं। मराठी और अंग्रेजी भाषाओं के स्कूलों में केवल दो भाषाएं पढ़ाई जाती थीं। अब इनमें हिंदी भी पढ़ाई जाएगी। यह नई नीति अगले शैक्षिणिक वर्ष 2025 से लागू हो जाएगी।

इसके अलावा राज्य सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत कई अन्य बदलावों की भी घोषणा की। बयान के मुताबिक नए शैक्षिणिक वर्ष 2025 से अब स्कूली शिक्षा में 5+3+3+4 फॉर्मूले की शुरुआत की जाएगी। इसमें पहले के पांच साल फाउंडेशन स्टेज के होंगे, जबकि कक्षा तीन से 5 तक प्रारंभिक स्टेज के होंगे। कक्षा 6 से आठ मिडिल स्कूल के अंतर्गत आएंगे जबकि अंतिम चार साल माध्यमिक शिक्षा के होंगे।

नई नीति के अनुसार महाराष्ट्र के राज्य बोर्ड की किताबों में भी बदलाव किया जाएगा। यह किताबें भी अब राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए पाठ्यक्रम के आधार पर ही होंगी। इसके साथ ही इनमें स्थानीय भाषा और भूगोल के हिसाब से सामाजिक विज्ञान में बदलाव किए जाएंगे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक निदेशक राहुल रेखवार ने कहा कि प्री प्राइमरी सेक्शन के पहले तीन वर्षों के लिए पहले ही पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इसे महिला एवं बाल कल्याण विकास विभाग के सहयोग से लागू किया गया है। इसके अलावा इस पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आंगनवाड़ियों में काम करने वाले लोगों के लिए हम कार्यशालाएं आयोजित करेंगे।

भिवंडी से 2 नाबालिग लड़कियां लापता

■ अपहरण की शिकायत दर्ज

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन में 10 साल की लड़की व भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में 16 साल की लड़की के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई है. पुलिस मामला दर्ज कर लड़कियों को तलाश कर रही है.

शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शबाना इसरार पठाण (34) ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी 10 साल की लड़की समरीन इसरार पठाण अपने घर हलील भाई खोली, गणेश मेडीकल के सामने, गुलझारनगर से कहीं लापता हो गई है. शबाना को शक है कि कोई उनकी बेटी को बहलाफुसला कर अपहरण कर ले गया है. सहायक पुलिस निरीक्षक भिंगारदिवे मामले की जांच कर रहे हैं.

दूसरी घटना भोईवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत हुई है. फिर्यादी समीर सलीम कुरेशी, (४१) रूम नं ५०४, पाचवा माळा, बि, विंग, उमर रेसिडेन्सी, समरूबाग, पेट्रोलपंपा समोर कारीवली गाव रोड के पास रहते हैं. सना (सिंध्या) मुकीम चौधरी (१६) जो मूल रूप से कल्याण में रहती है, फिर्यादी की पत्नी रूबिना से यह कहकर निकली कि मैं किराणा दुकान से चिप्स लेके आती हैं.. लेकिन वह वापस नहीं लौटी. सलीम कुरेशी ने लड़की के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई है. सहायक पुलिस निरीक्षक एस. आर. पाटील मामले की जांच कर रहे हैं.

भिवंडी मनपा ने शुरू की ठाणे जिले में व्हाट्सएप एपीआई (चैटबॉट) सेवा

■ नागरिकों से संवाद स्थापित करने का माध्यम

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर सिटी महानगर पालिका द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से नागरिकों से संवाद स्थापित करने की प्रक्रिया में एक और नया कदम बढ़ाया है. महानगर पालिका ने शहर के नागरिकों को घर बैठे सुविधा प्रदान करने के लिए हाल ही में एक सामान्य 'क्यूआर कोड' लॉन्च किया है। इससे भी आगे बढ़ते हुए मनपा के कंप्यूटर विभाग ने अब व्हाट्सएप एपीआई (चैटबॉट) सेवा (मोबाइल फोन नंबर 7066644844) शुरू की है। इसमें नागरिक अपने मोबाइल में मोबाइल नंबर सेव करके व्हाट्सएप पर 'HI' लिखकर भेजते हैं और तुरंत जवाब मिलता है।

वर्तमान में उपलब्ध विकल्पों में संपत्ति कर भुगतान, शिकायतें, जन्म और मृत्यु सेवाएं तथा महत्वपूर्ण सूचनाएं शामिल हैं। समय के साथ, अन्य महानगरपालिका सेवाओं के विकल्प भी इसमें शामिल किये जायेंगे। भिवंडी निजामपुर सिटी महानगर पालिका ठाणे जिले में व्हाट्सएप बिजनेस एपीआई (चैटबॉट) सेवा को लागू करने वाला पहली मनपा बन गई है।

उपरोक्त व्हाट्सएप बिजनेस एपीआई (चैटबॉट) सेवा का उद्घाटन प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के शुभ हाथों से हुआ।

इस अवसर पर अपर आयुक्त देवीदास पवार, विठ्ठल डाके, उपायुक्त (मुख्यालय) रोहिदास दोरकुलकर, उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर, सहायक आयुक्त डॉ. अनुराधा बाबर, कम्प्यूटर विभाग के सिस्टम मैनेजर मंदार जोशी, कार्यालय अधीक्षक स्वप्निल गायकवाड़ सहित सभी सहायक आयुक्त, विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

2 बाल मजदूरों को छुड़ाया गया

■ 2 होटल संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी. भिवंडी में पुलिस ने दो होटलों में काम कर रहे दो नाबालिग लड़कों को बचाया और संबंधित होटलों के संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। शांति नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार को किए गए निरीक्षण के दौड़ान भिवंडी इलाके में स्थित दो होटलों में दो नाबालिग लड़कों को काम करते पाया गया।

उन्होंने बताया कि बचाए गए दोनों लड़कों की उम्र 12 और 14 साल है जो मूल रूप से उत्तरप्रदेश के हैं। उन्होंने बताया कि दोनों लड़कों को सरकारी बाल देखभाल एवं संरक्षण गृह भेज दिया गया है। पुलिस के बताया कि दोनों होटल के संचालकों के खिलाफ किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इमारत में आग लगने से 95 बिजली मीटर जलकर खाक

ठाणे. दिवा में सात मंजिला आवासीय इमारत के बिजली मीटर कक्ष में बृहस्पतिवार सुबह भीषण आग लगने से बिजली के 95 मीटर जलकर खाक हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि दिवा-अगासन रोड पर धर्मवीर नगर में सावित्रीबाई फुले इमारत में हुई इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

उन्होंने बताया कि पूरी इमारत में धुआं फैल गया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई और उनमें से कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। दिवा अग्निशमन केंद्र के दमकल कर्मियों को तड़के सवा पांच बजे आग लगने की सूचना मिली। अधिकारी ने बताया कि आग इमारत के भूतल पर स्थित मीटर कक्ष में लगी थी।

उन्होंने बताया कि आग में बिजली के 95 मीटर जलकर खाक हो गये, जिसके बाद सुरक्षा कारणों से इमारत की बिजली आपूर्ति तुरंत काट दी गई।

अधिकारी ने बताया कि दमकल कर्मियों ने सुबह सवा छह बजे तक आग पर काबू पा लिया था। आग लगने के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सोशल मीडिया उप राज्य प्रमुख पद पर नियुक्त हुए प्रतीक शर्मा

ठाणे।शिंदे शिवसेना पार्टी के सोशल मीडिया उप राज्य प्रमुख पद पर प्रतीक शर्मा को नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से इसकी घोषणा की है।इस नियुक्ति पत्र को सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के हाथों से प्रतीक शर्मा को दिया गया।इस अवसर पर शिवसेना सचिव और एमपीसीबी अध्यक्ष सिद्धेश कदम और युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक उपस्थित थे।

उल्हासनगर महानगरपालिका
पाणी पुरवठा विभाग

दिनांक : १५/०४/२०२५

जाहिर आव्हान
-: पाणी पुरवठा विभागा संबंधित सुचना :-

केंद्र शासन पुरस्कृत अमृत 2.0 अभियाना अंतर्गत पाणी पुरवठा वितरण व्यवस्थेची शिल्लक काम प्रगतीपथावर या कामामध्ये नळजोडणीवर मीटर बसविणेचे काम अंतर्भुत आहे. त्यानुसार नळजोडणी धारकांसाठी पाण्याचे मीटर बसविण्यात येणार आहेत. त्यामुळे उल्हासनगर महानगरपालिकेकडून शहरातील नागरीकांना अवाहन करण्यात येते, आपण आपल्या नळजोडणीला मीटर जोडणी करुन घ्यावी.

तसेच नागरीकांना असेही अवाहन करण्यात येते कि, 'पाण्याचा गैरवापर टाळावा आणि पाणी जपुन वापरावे' व महापालिका प्रशासनास सहकार्य करावे, हि विनंती.

सही/-
कार्यकारी अभियंता (पापुवि)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/49/2025
दिनांक-17/4/2025

'आज की फिल्मों में नहीं हो पाऊंगी फिट'

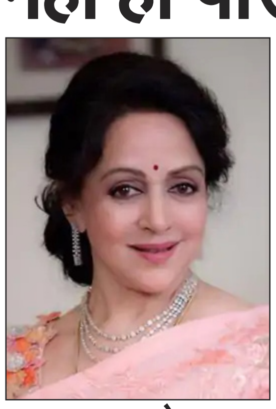

■ चार साल से स्क्रीन पर नहीं दिखीं हेमा मालिनी

■ एक्ट्रेस ने कहा- मेरे लिए अलग प्रोजेक्ट जरूरी

हेमा मालिनी को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म शिमला मिर्ची में देखा गया था। एक्ट्रेस ने हाल ही में कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह आजकल बनने वाली फिल्मों में फिट बैठेंगी या नहीं।

हेमा मालिनी से हाल ही में एक पब्लिक आउटिंग के दौरान पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करने में इंटरेस्टेड हैं। जिसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'आजकल जो फिल्में बनाते हैं, उनमें मैं फिट नहीं होती हूं। मेरे फिट होने जैसा कुछ बनना पड़ेगा, अलग से।'

■ हेमा मालिनी इंडस्ट्री में वापसी करेंगी?

इस दौरान हेमा मालिनी के साथ उनकी बेटी ईशा देओल भी नजर आईं। ईशा ने हेमा मालिनी के वापस इंडस्ट्री में आने और नया प्रोजेक्ट शुरू करने पर बात की। उनसे पूछा गया, 'क्या हेमा मालिनी को इंडस्ट्री में वापस आने के लिए कुछ समझाने की जरूरत है?' जिसके जवाब में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह कुछ ऐसा चाहती हैं जो उनके लिए ठीक हो।'

■ साल 1963 में की थी करियर की शुरुआत

बता दें, हेमा मालिनी ने साल 1963 में तमिल फिल्म इधु सथियम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर साल 1968 में फिल्म सपनों का सौदागर से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया। इसके बाद हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में शोले, सत्ते पे सत्ता, सीता और गीता, कसौटी, त्रिशूल और महबूबा जैसी कई फिल्मों में काम किया।

हेमा को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म शिमला मिर्ची में देखा गया था। इसमें राजकुमार राव और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी।

क्षत्रिय समाज चेरिटेबल ट्रस्ट ने की घायल युवक को 56 हजार की मदद

ठाणे. चार महीने पूर्व सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए शिवम सिंह के इलाज के लिए क्षत्रिय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट ने 56 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। ट्रस्ट के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने बताया कि 40 हजार की राशि चेक के माध्यम से और शेष राशि कैश व ऑनलाइन माध्यम से दी गई। एड. विनय कुमार सिंह ने कहा कि संस्था हमेशा जरूरतमंदों के लिए तत्पर रही है और आगे भी रहेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह ने समाज के सभी लोगों से सहयोग की अपील की। संस्था के मार्गदर्शक प्रभाकर सिंह के विशेष प्रयास से यह सहायता संभव हो सकी, जिनके निरंतर सहयोग और समर्पण से समाजसेवा का यह कार्य पूरा हुआ। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, श्रवण कुमार सिंह, शैलेश सिंह, भगवंत सिंह, प्रदीप सिंह और प्रमोद शाही उपस्थित रहे। सभी ने शिवम सिंह के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

आम सूचना

मैं श्री रवी सुनील चौरसिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि दुकान नं. 331, शिव रोड, हरमन मोहता कंपनी के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07एआय014733400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शामाबाई गणपत आंबेकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.4.2025 सी.नं. 1611/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रवी सुनील चौरसिया

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जा.क्र.उमपा/स.आ./प्र.स.2/08/2025
सहा. आयुक्त यांचे कार्यालय, प्रभाग समिती क्र. 2,
मोहनदास रामरख्यानी हॉल,
सपना गार्डन जवळ, उल्हासनगर-3
दिनांक :-15/04/2025

नोटीस
(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.2 चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. सदर ठिकाणी असणारे झाड तोडण्यास मंजुरी मिळणेकामी प्रस्ताव वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र.2 यांनी वृक्ष प्राधिकरणाच्या सभेपुढे ठेवण्याचे योजिले आहे.

अ.क्र	अर्जदाराचे नाव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल
1	मनोज गेराला गलरानी	रुहानी सतसंग, खेमानी रोड उल्हासनगर-02	अशोका जातीचे झाड

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष तोडण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत आल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 21/04/2025 पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र. 2 मोहनदास रामख्यायनी हॉल, सपना गार्डन जवळ, उल्हासनगर-या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबंधितास सुनावणी देऊन अंतिम निर्णय घेतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(मनिष हिवरे)
सहा. आयुक्त (प्र. स. 2)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/50/2029
दिनांक :- 17/04/2024

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099